पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY
रतलाम मंडल

विजयस्तंभ

त्रैमासिक राजभाषा ई -पत्रिका

अंक -15 वां

जुलाई से सितंबर

2024

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक
श्री रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

संरक्षक
श्री अशफाक अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादक
श्री सतीश वलवी
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी

संपादन सहयोग
ओम प्रकाश मीना
वरि.अनुवादक
दौलत राम ताबियार
वरि.अनुवादक
राजेंद्र सेन
वरि.अनुवादक
दलवीर सिंह चौधरी
वरि.अनुवादक

विशेष सहयोग
(डिजाइनिंग)
इरशाद खान
कार्यालय अधीक्षक

अनुक्रमणिका

क्र.स	विषय	कवि /लेखक	पृष्ठ
1	संरक्षक की कलम से	-	1
2	अपनी बात	-	2
3	संपादकीय	-	3
4	हिंदी दिवस संदेश (गृहमंत्री)	-	4-5
5	हिंदी दिवस संदेश (रेलमंत्री)	-	6
6	हिंदी दिवस संदेश (महाप्रबंधक)	-	7
7	हिंदी दिवस संदेश (मंडल रेल प्रबंधक)	-	8
8	स्वतंत्रता दिवस की झलकियां	-	9
9	पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की गतिविधियाँ	-	10-12
10	रतलाम की उपलब्धियां	-	13-24
11	राजभाषा की गतिविधियाँ	-	25-30
12	मेरा सफर (कविता)	सतीश वलवी	31
13	पीली मिट्टी (कविता)	शिव चौहान	31
14	शान (कविता)	इंदु तिवारी	32
15	नदारद (कविता)	दलवीर सिंह चौधरी	32
16	मैं रेल का इंजन हूं (कविता)	मनीष कुमार जारवाल	33
17	ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग	दौलतराम ताबियार	34
18	मेरे अनुभव (लेख)	वेद प्रकाश दुबे	35-36
19	दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन	दुर्गा प्रसाद वर्मा	37
20	राजभाषा हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्य	राजेंद्र सेन	38-40
21	सफर मेरा (कविता)	कपिल जायसवाल	40
22	विप्लव गान	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	41
23	राजभाषा सूक्तियाँ	-	42

❖ पता – राजभाषा अनुभाग मंडल कार्यालय, पश्चिम रेलवे, रतलाम, म.प्र. दूरभाष.09244032

❖ पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और कुछ सामग्री इंटरनेट से संकलित हैं । जिससे संपादक मंडल का सहमत होना जरुरी नहीं है।

❖ निशुल्क ई –पत्रिका।

मुख्य संरक्षक की कलम से

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि मंडल कार्यालय रतलाम का राजभाषा विभाग अपनी गृह ई- पत्रिका 'विजयस्तंभ' के 15 वें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है इसके प्रयोग से हम अपने विचारों को एक दूसरे के साथ आदान-प्रदान करते हैं।

हिंदी भाषा की अपनी एक विशेषता यह है कि इसे समझने एवं समझाने में बहुत आसानी होती है अतः सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों का नैतिक दायित्व है कि हम अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

मंडल पर हिंदी में अधिकांश कार्य किया जा रहा है फिर भी कुछ मदों में और अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। प्रशासनिक प्रमुख होने के नाते मैंने यह अनुभव किया है कि राजभाषा की प्रगति यात्रा निरंतर अग्रसर हो रही है और बदलते तकनीकी संसाधनों के उपयोग से भी इस यात्रा को जारी रखना है। इसमें आप सभी का योगदान सतत मिलता रहे , ऐसी मेरी कामना है।

प्रकाशन के कार्य से जुड़े हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेरी शुभकामनाएं।

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

अपनी बात

यह हर्ष का विषय है कि रतलाम मंडल का राजभाषा विभाग अपनी राजभाषा ई- पत्रिका 'विजयस्तंभ' के 15 वें अंक को प्रकाशित करने जा रहा है।

रतलाम मंडल पर राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती रही है। इस अंक में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का समावेश किया गया है।

मेरा ऐसा मानना है कि हिंदी में काम करने की इच्छा शक्ति प्रबल हो तो हम हिंदी की विकास यात्रा को काफी आगे ले जा सकते हैं, मैं सभी रेल रचनाकारों से आग्रह करूंगा कि राजभाषा ई - पत्रिका 'विजयस्तंभ' के प्रकाशन में आप अपना निरंतर सहयोग करते रहें ताकि यह पत्रिका निरंतर ऊंचाइयों को छूती रहे।

प्रकाशन विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मंगल कामनाएं।

अशफाक़ अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादकीय

रतलाम मंडल की राजभाषा ई -पत्रिका 'विजयस्तंभ' के 15 वें अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

हिंदी की विकास यात्रा में रेल पत्रिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। राजभाषा पत्रिका 'विजयस्तंभ' इसका बहुत अच्छी तरह से निर्वहन कर रही है। हिंदी में काम करना गौरव की बात होती है और हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि हम अपना काम हिंदी में करें।

विगत अंक में हमने विविध आयामों पर लेख, कहानी, कविता, व्यंग एवं विभागों की महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत की थी, जिसे सुधी पाठकों ने बहुत पसंद किया। हमारा निरंतर प्रयास रहता है कि प्रत्येक अंक को हम और अधिक रोचक ज्ञानवर्धक एवं सभी के लिए उपयोगी बनाएं।

इस अंक में हमने स्वतंत्रता दिवस के विविध कार्यक्रमों तथा मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा के विभिन्न क्रियाकलापों को समाहित किया है। मुझे आशा है कि यह अंक आपको बहुत रोचक लगेगा। यह अंक आपको कैसा लगा , हमें अपने विचारों से अवगत करें।

सभी सुधि पाठकों को मेरी शुभकामनाएं ।

सतीश वलवी
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी
रतलाम

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार
Minister of Railways, Information & Broadcasting
and Electronics & Information Technology
Government of India

हिंदी दिवस संदेश

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, यह एक ऐसी सांस्कृतिक धरोहर है जो हमें हमारी विरासत और इतिहास से जोड़ती है। यह सुगम, सहज और सरल भाषा है और पूरे विश्व में इसे बोलने वाले लोगों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए रेल मंत्रालय को वर्ष 2023-24 का राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मैं सभी रेलकर्मियों को इसके लिए बधाई प्रेषित करता हूं।

आज हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर रेल परिवार के सभी सदस्य यह संकल्प लें कि हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे और हिंदी भाषा की उन्नति में अपना सक्रिय योगदान देंगे।

जय हिंद।

अश्विनी
12.9.24

अश्विनी वैष्णव

Room No : 341, Rail Bhawan, Raisina Road, New Delhi-110001
Tel. : +91-11-23386645, 23381213 Fax : +91-11-23387333

पश्चिम रेलवे
Western Railway

"हिंदी दिवस संदेश"

हिंदी भाषा की उन्नति का अर्थ है राष्ट्र की उन्नति

प्रसिद्ध साहित्यकार रामवृक्ष बेनीपुरी के उपर्युक्त सार्थक कथन के साथ हमारे देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली भाषा हिंदी की समर्थ-शक्ति को नमन करते हुए, आप सब को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देता हूँ।

भारत वर्ष विविधता से परिपूर्ण देश है। यहाँ पर हर प्रदेश और हर क्षेत्र की अपनी भाषा है। अत: उन्हें एकता के सूत्र में पिरोने के लिए आज ही के दिन हिंदी को वर्ष 1949 में आधिकारिक भाषा के रूप में चुना गया था। वर्ष 1950 से संविधान लागू हुआ और प्रतिवर्ष पूरे भारत में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

साथियों, भारत के हर नागरिक के लिए हिंदी दिवस का बेहद खास महत्व है। भारत विभिन्नताओं से भरा देश है। यहाँ अलग-अलग धर्म और जाति के लोग और अलग-अलग भाषाएँ और बोलियाँ बोलने वाले लोग रहते हैं उनकी वेशभूषा, खानपान और संस्कृति भिन्न हैं। ये हमारी हिंदी भाषा ही है जो इन विभिन्नताओं से परिपूर्ण अपने देश को एकजुट बनाए हुए है। यही कारण है कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था। डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने भी कहा था कि जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता।

हिंदी सिर्फ भाषा या संवाद का ही साधन नहीं है,बल्कि हर भारतवासी के बीच एक सामाजिक और सांस्कृतिक सेतु भी है। अत: हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम सरकारी कामकाज हिंदी में ही करें और अपने देश की उन्नति में योगदान दें।

भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा का प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों एवं नियमों का समुचित पालन करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य है, साथ ही इसे बढ़ावा देने हेतु जो प्रोत्साहन योजनाएँ चलाई जाती हैं, उनका व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना भी हमारा दायित्व है।

हिंदी दिवस के विशेष अवसर पर मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि राजभाषा हिंदी को उचित सम्मान दिलाने हेतु हम सब दृढ़ संकल्प लेते हुए हर संभव प्रयास करें और भारत वर्ष को उन्नति के शिखर पर ले जाएं।

जय हिंद !

(अशोक कुमार मिश्र)
महाप्रबंधक

14 सितंबर, 2024
चर्चगेट, मुंबई

हिंदी दिवस संदेश

प्रिय रेलकर्मी साथियों,

14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देता हूँ। राजभाषा हिंदी, हमारी संस्कृति और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दिन को मनाकर हम अपनी राष्ट्रीय भाषा के महत्व को समझते हैं और उसका संरक्षण करने का संकल्प लेते हैं।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि हमारी पहचान है, जो हमें अपनी जड़ों और अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ती है।

प्रौद्योगिकी के इस निरंतर बदलते दौर में भी राजभाषा हिंदी का प्रयोग कर हमें अपने संवैधानिक दायित्वों निर्वहन करना है। कार्यालयों में कम्प्यूटरों के बढ़ते उपयोग के परिप्रेक्ष्य में हमें कम्प्यूटरों पर भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाना होगा तथा यूनिकोड में ई- ऑफिस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हिंदी में ही सरकारी कामकाज को बढ़ावा देना होगा।

हिंदी दिवस पर, हमें यह प्रण करने का अवसर मिला है कि हम अपनी राजभाषा के प्रति समर्पित रहेंगे एवं हिंदी के संवर्धन और विकास करने और उसकी गरिमा को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे।

इस हिंदी दिवस पर, हम सभी यह संकल्प लें कि हम सरकारी कामकाज में हिंदी का ही प्रयोग करेंगे और अपनी भाषा के महत्व को पूरी दुनिया के सामने गर्व से प्रस्तुत करेंगे।

आइए, इस महत्वपूर्ण दिवस पर हम सभी एकजुट होकर हिंदी भाषा के विकास और समृद्धि में योगदान करने का संकल्प लें ।

करते हैं तन-मन से वंदन, जन-गण-मन की अभिलाषा का
अभिनंदन अपनी संस्कृति का, आराधन अपनी भाषा का।

हिंदी दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितंबर 2024

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक रतलाम

स्वतंत्रता दिवस की झलकियाँ

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की गतिविधियाँ

दिनांक 15.08.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा अरुणोदय बाल मंदिर रतलाम में मंडल रेल प्रबंधक महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में ध्वजारोहण कर बच्चों को उपहार वितरित किए गए एवं नए टिफिन कक्ष का उद्घाटन किया गया ।

दिनांक 15.08.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा मंडल कार्यालय एवं मंडल चिकित्सालय रतलाम के सफाई कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया ।

दिनांक 03.07.2024 को नवसुसज्जित 'सजरी' ब्युटी पार्लर एवं ट्रेनिंग सेंटर का शुभारंभ श्रीमती सपना अग्रवाल , अध्यक्षा पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम के कर कमलों द्वारा किया गया।

दिनांक 05.09.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया एवं इस अवसर पर शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा रेल कर्मियों की 10th में मेरिट प्राप्त छात्राओं को उपहार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया, मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य शाखा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम रेलवे अधिकारी क्लब एनेक्सी में संपन्न हुआ।

रतलाम मंडल की उपलब्धियां

रतलाम मंडल वृक्षारोपण अभियान

वेस्टर्न रेलवे सिविल डिफेंस रतलाम, स्काउट गाइड फ़ेलोशिप रतलाम, भारत स्काउट एवं गाइड रतलाम, तीनों संस्थाओं ने संयुक्त रूप से 10 जुलाई 2024 को रतलाम में रेलवे परिसर के विभिन्न चिन्हित हिस्सों में वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया।

इस अभियान का शुभारम्भ मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से किया गया, जहाँ मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार सहित मंडल कार्यालय के सभी अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया । मंडल कार्यालय के अतिरिक्त रेलवे के अन्य क्षेत्रों में भी वृक्षारोपण कार्य किया गया, जिसमें स्कूल के बच्चों द्वारा भी अपनी सहभागिता दी गई।

रतलाम मंडल के तीनों संस्थानों के सदस्य द्वारा इस अभियान के अंतर्गत 2000 पौधे लगाने का प्रण लिया गया। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और शुद्ध वायु (ऑक्सीजन) के महत्व को उजागर करना और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरुक करना है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार सहित अपर मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री अशफाक अहमद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं उपाध्यक्ष स्काउट गाइड फैलोशिप पश्चिम रेलवे श्रीमती अरीमा भटनागर, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री उमाशंकर प्रसाद की मुख्य भूमिका रही।

तनाव प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन

पश्चिम रेलवे के मंडल रेलवे चिकित्सालय रतलाम में लोको पायलट व सहायक लोको पायलट सहित अन्य रेल कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के तनाव मानव का दुश्मन है और इससे मुक्ति पाना अति आवश्यक है। इस विषय पर सेमिनार में तनाव को पहचानने और उसे प्रबंधित करने तथा मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने के बारे में गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज रतलाम में मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल देव आर्य द्वारा कई महत्वपूर्ण टिप दिये गये।

कार्यक्रम के दौरान मंडल रेलवे चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सिम्मी गुप्ता एवं डॉ. अवधेश अवस्थी द्वारा विशेष रूप से तनावपूर्ण वातावरण में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी के लिए तनाव एवं उससे मुक्ति विषय पर संवाद सत्र भी आयोजित किया गया। इस सेमिनार में 50 से अधिक लोको पायलट एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

23 जुलाई, 2024 को रतलाम मंडल पर गुड्स ट्रेनों की औसत गति 28.93 किमीप्रघं

भारतीय रेलवे का यात्री परिवहन के साथ माल लदान एवं उसे समय पर अपने गंतव्य तक पहुँचाना ये दो महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इन दोनों को उद्देश्यों की पूर्ति करने के लिए ट्रेन की गति का महत्वपूर्ण योगदान है।

पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल अपने इन दोनों उद्देश्यों को पूर्ति करने के लिए सतत प्रयासरत है और इसी का प्रतिफल है कि 23 जुलाई, 2024 को रतलाम मंडल पर गुड्स ट्रेनों की औसत गति 28.93 किमीप्रघं रही जो पिछले दो वर्षों के दौरान 'अब तक की एक दिन की सर्वश्रेष्ठ गति' है।

इसकी जानकारी देते हुए रतलाम मंडल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री रजनीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री अभिनव जेफ के कुशल निर्देशन में रतलाम मंडल का परिचालन विभाग का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। परिचालन से संबंधित विभिन्न विभागों के साथ कुशल समन्वय, ट्रेन परिचालन की सतत निगरानी, कुशल कार्ययोजना के साथ कर्मीदल की उपयोगिता बढ़ाकर, रनिंग एवं क्रू के घंटे की सतत निगरानी एवं मार्ग का उचित आकलन कर 23 जुलाई, 2024 को 54 क्रैक ट्रेनों का परिचालन किया गया। इसके परिणामस्वरूप ही 23 जुलाई, 2024 को गुड्स ट्रेनों की औसत गति 28.93 किमीप्रघं प्राप्त किया जा सका है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा देवास एवं मक्सी स्टेशनों का निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र रतलाम मंडल पर देवास व मक्सी स्टेशनों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यहाँ चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को देखा व मंडल पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी ली।

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि रतलाम प्रवास के दौरान श्री मिश्र ने मंडल रेल प्रबंधक रतलाम, श्री रजनीश कुमार एवं मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ देवास एवं मक्सी स्टेशनों पर अमृत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे कार्यो के निरीक्षण के साथ ही स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण एवं प्लेटफार्म पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा भी लिया व मंडल के विभिन्न खंडों में किया जा रहे विकासात्मक कार्यों की समीक्षा भी की। इस दौरान श्री मिश्र ने देवास स्टेशन पर संचालित वन स्टेशन वन प्रोडक्ट कियोस्क का निरीक्षण किया तथा कियोस्क संचालक से चर्चा की। उन्होंने रतलाम-उज्जैन-देवास-मक्सी खंड का विडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया।

रतलाम मंडल के चेकिंग स्टाफ की अनुकरणीय पहल

बच्ची को उसके परिवार से मिलाया

रेलवे के सतर्क कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान सजगता के साथ यात्रियों के हाव भाव को देखकर व किसी भी प्रकार का संदेह होने पर उनसे पूरी जानकारी लेते है तथा अपनी सूझबूझ के साथ परिस्थिति के अनुसार उम्दा कार्य कर रहे हैं।

वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि रेलकर्मी पूरी तरह सतर्क हैं तथा अपनी ड्यूटी के साथ-साथ सामाजिक दायित्व को भी बखूबी निभा रहें हैं। इसी का एक उदाहरण है। ट्रेन 12919 के एस-6 में अपने परिवार के साथ यात्रा कर रही एक छोटी बच्ची के गलती से दूसरे कोच में चली जाती है व वहॉ जब वह अपने परिवार को नहीं देखती है तो वह रोने लगी। संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर एस-1 में ऑन ड्यूटी चेकिंग स्टाफ श्री राहुल सिंह राठौर एवं श्री मनेश कुमार ने बच्ची से उसके कोच नम्बर एवं उसके माता पिता का नाम पूछा तो वो कुछ भी बता नहीं पाई।

दोनों चेकिंग स्टाफ द्वारा मानवता का परिचय देते हुए सभी कोच में बच्ची को लेकर गए एवं भोपाल स्टेशन पर एस-6 कोच में बच्ची को उसके माता पिता से मिलवाया। इस यात्री के परिवारजनों ने रेलवे स्टाफ की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए रेल प्रशासन को धन्यवाद दिया।

'डिजिटल इंडिया' पहल को बढ़ावा

रतलाम मंडल के सभी स्टेशनों पर क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान की सुविधा

इसकी शुरुआत के बाद से 20 अगस्त, 2024 तक 20.23 लाख रुपये से अधिक के डिजिटल भुगतान दर्ज किए गए

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल डिजिटल भुगतान की विधियों का उपयोग करके कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने और अपने यात्रियों के लिए सुचारू और अधिक कुशल सेवा सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए रतलाम मंडल में निर्बाध ऑनलाइन भुगतान विकल्पों की सुविधा के लिए 88 लोकेशनों पर 113 डायनेमिक क्यूआर कोड डिवाइस लगाए गए हैं। क्यूआर कोड डिवाइस से लेनदेन 07 अगस्त, 2024 से शुरू हुआ और इससे 20 अगस्त, 2024 तक लगभग 22.57 हजार यात्रियों को 11.70 हजार से अधिक टिकट जारी किए गए हैं, जिसमें 20.23 लाख से अधिक डिजिटल भुगतान दर्ज किए गए हैं। रतलाम मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, देवास, सीहोर, शुजालपुर, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, जावरा, डॉ. अम्बेडकर नगर, बड़नगर, नागदा, खाचरोद सहित मंडल के कुल 88 स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है तथा शेष स्टेशनों पर इंस्टॉलेशन कार्य प्रगति पर है।

रतलाम मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, क्यूआर कोड डिवाइस को स्क्रीन पर लागू राशि प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यात्री भुगतान के विभिन्न ऑनलाइन मोड और एप्लिकेशन के माध्यम से अपने टिकट की राशि का भुगतान कर सकें। इस नए प्रयास से लेनदेन की प्रक्रिया में तेजी आने, प्रतीक्षा समय कम होने और समग्र ग्राहक संतुष्टि में सुधार होने की उम्मीद है। ये क्यूआर कोड डिवाइस रतलाम मंडल के सभी यूटीएस काउंटरों पर सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। हालांकि मंडल के दाहोद एवं मेघनगर स्टेशनों पर पीआरएस एवं यूटीएस काउंटरों पर पहले से ही यह सिस्टम लागू है जहॉ फेयर रिपीटर लगाए गए हैं। अन्य स्टेशनों पर पीआरएस(यात्री आरक्षण केन्द्रों) पर फिलहाल इन क्यूआर कोड डिवाइस के इंस्टॉलेशन का काम प्रगति पर है।

यह पहल डिजिटल परिवर्तन को अपनाने और यात्रियों को आधुनिक, सुविधाजनक और भुगतान का सुरक्षित माध्यम प्रदान करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। डिजिटल माध्यम से भुगतान का यह व्यवस्था नगद भुगतान की प्रथा में कमी लाने के साथ ही साथ टिकट लेने के दौरान चेंज(रेजगारी) की समस्या भी दूर होगी। इस प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल का लक्ष्य अधिक उत्तरदायी और उपयोगकर्ता के अनुकूल सेवा वातावरण बनाना है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा शुजालपुर, सीहोर एवं अकोदिया रेलवे स्टेशन एवं टीएसएस(ट्रैक्शन सब-स्टेशन) सीहोर का निरीक्षण

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे , यात्री सुविधा, विकासात्मक एवं संरक्षा से संबंधित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ 22 अगस्त, 2024 को रतलाम –सीहोर खंड के साथ ही साथ स्टेशन का निरीक्षण किया गया।

रतलाम से सीहोर के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक पर संरक्षा के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों का जायजा लिया। स्टेशनों पर निरीक्षण के दौरान अमृत स्टेशन योजना के तहत शुजालपुर, सीहोर एवं अकोदिया रेलवे स्टेशन पर किये जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की तथा कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने हेतु निर्देशित किया।

शुजालपुर, सीहोर एवं अकोदिया स्टेशन पर संरक्षा से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं की जांच की गई तथा स्टेशन मास्टर एवं अन्य कर्मचारियों से संरक्षित ट्रेन संचालन में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी ली । संरक्षा से संबंधित विभिन्न उपकरणों की कार्यशिलता की जांच भी की गई ।

सीहोर स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर मेलों एवं अन्य स्थानीय धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान स्टेशन पर आने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा किये जा रहे भीड़ प्रबंधन के कार्यों एवं इंतजामों का भी जायजा लिया गया ।

मंडल रेल प्रबंधक रतलाम द्वारा टीएसएस(ट्रैक्शन सब-स्टेशन) सीहोर का निरीक्षण कर वहॉ के संबंधित कर्मचारियों से टीएसएस की उपयोगिता, उसकी कार्य प्रणाली, मरम्मत इत्यादि के बारे में जानकारी ली ।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर(पावर), वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर(टीआरडी),वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(दक्षिण), वरिष्ठ मंडल इंजीनियर संकेत एवं दूरसंचार (समन्वय), सहित अन्य अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे ।

मंडल के 24 कर्मचारी 'पर्सन ऑफ़ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर संरक्षापूर्वक सराहनीय एवं उत्कृष्ठ कार्य करने वाले 24 कर्मचारियों को मंडल रेलवे प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा 'पर्सन ऑफ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

जून 2024 में मंडल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों द्वारा उत्कृष्ट एवं संरक्षापूर्वक सराहनीय कार्य करने के लिए में मंडल रेलवे प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा मण्डल के 10 विभागों के कुल 24 कर्मचारियों को 06 अगस्त 2024 को मंडल कार्यालय रतलाम के विमर्श कक्ष में 'पर्सन ऑफ़ द मंथ' से सम्मानित किया। इस दौरान पांच कर्मचारियों को संरक्षापूर्वक सराहनीय कार्य एवं 19 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं उपहार प्रदान किए गए।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी रेल कर्मियों को बधाई देते हुए उन्हे संरक्षा से जुड़े सभी नियमों का पूरी तरह पालन करने तथा अपने कार्य को प्राथमिकता एवं लगन से करने हेतु मार्गदर्शन भी दिया । कार्यक्रम के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद एवं संबंधित विभागों के शाखाधिकारी भी उपस्थित रहे ।

****

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम

टीएमडीडीएस का संशोधन :

आरडीएसओ मॉडिफिकेशन शीट संख्या **RDSO/2022/EL/MS/0487 Rev '0' dt.19.09.2023** के अनुपालन में ट्रैक्शन मोटर ड्रॉपिंग डिटेक्शन सिस्टम (टीएमडीडीएस) से संबंधित संशोधन **40** लोको में किया और पूरा किया गया है। यह उपकरण हिताची एचएस 15250 ए ट्रैक्शन मोटर्स वाले इंजनों की बोगी में स्थापित किया गया है। टीएमडीडीएस ने कैब में सिग्नलिंग लैंप एलएसटीएम और बजर ध्वनि के माध्यम से चालक दल को सचेत किया, जिसके बाद बीपी को 0 पर गिराकर आपातकालीन ब्रेक लगाने के साथ डीजे ट्रिपिंग हुई और एमपीसीएस डिस्प्ले में एक घटना प्रदर्शित होगी कि "डीजे बीपीईएमएस के माध्यम से ट्रिप हो गया"।

2. टीएम स्टैकिंग व्यवस्था-

ट्रैक्शन मोटर क्वालिटी यूनिट में उचित स्टैकिंग के साथ स्थान और उपस्थिति के बेहतर उपयोग के लिए टीएम स्टैकिंग के लिए मोटराइज्ड ट्रॉली तैयार की गई है। पहले इस सेक्शन में केवल **12** टीएम ही रखे जा सकते थे। नई व्यवस्था के साथ, क्वालिटी यूनिट में **30** टीएम रखे जा सकते हैं और उन्हें आसानी से हैंडल किया जा सकता है।

3. <u>अग्नि शमन प्रशिक्षण</u> –

दिनांक 26.07.2024 28.08.2024 एवं 25.09.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर रतलाम द्वारा एल.सी.सी. आर.टी.एम. के कर्मचारियों को अग्निशामक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक टी.टी.सी./आर.टी.एम. द्वारा किया गया। उपस्थित सभी कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों के प्रकार, उनके उपयोग, आग से बचाव तथा ऐसी परिस्थितियों से निपटने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस सत्र में एल.सी.सी./आर.टी.एम. के 267 कर्मचारियों ने भाग लिया।

4. कवच प्रणाली से संबंधित संगोष्ठी -

टीटीसी रतलाम में दिनांक 23.07.2024, 14.08.2024 एवं 06.09.2024 को कवच प्रणाली पर विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। व्याख्यानों में बताया गया कि कवच प्रणाली को रेल इंजनों में लगाया जा रहा है, ताकि रेल संचालन के दौरान प्रतिकूल परिस्थितियों में रेलगाड़ी की सुरक्षा हो सके तथा चालक को सचेत किया जा सके । प्रस्तुतिकरण में प्रणाली की उपयोगिता, विशेषताओं तथा कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया । व्याख्यानों में शेड के 53 कर्मचारियों ने भाग लिया।

5 एलसीसी आरटीएम में डिप्टी सीएमई/डीएसएल/सीसीजी द्वारा तकनीकी संगोष्ठी एवं निरीक्षण –

20.07.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर, रतलाम में एक तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को डिप्टी सीएमई/डीएसएल/सीसीजी चर्चगेट ने सीनियर डीएमई/डीएसएल एवं अन्य शेड अधिकारियों की उपस्थिति में संबोधित किया। संगोष्ठी में विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिक एवं डीजल इंजनों की तकनीकी प्रणालियों पर चर्चा की गई, जिसमें विफलताओं पर काबू पाने, बार-बार विफलता के मामलों को संबोधित करने, विश्वसनीयता बढ़ाने तथा विफलताओं के मूल कारणों के लिए सुधारात्मक एवं निवारक कार्रवाई लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह सलाह दी गई कि पर्यवेक्षकों को रखरखाव कार्य में सुधार के लिए अपनी दैनिक कार्यशैली में आवश्यक परिवर्तन करने चाहिए,रेलवे बोर्ड/आरडीएसओ/मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों से अवगत रहना चाहिए तथा सुरक्षित संचालन के लिए सुझावों के साथ विफलता के मामलों पर चर्चा करनी चाहिए। संगोष्ठी में कुल **38** पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

6. लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर –

दिनांक 16.07.2024,16.08.2024 एवं 17.09.2024 को मंडल रेलवे अस्पताल, रतलाम के सहयोग से लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वजन, ऊंचाई, रक्तचाप, शुगर लेवल, पल्स रेट आदि जैसे बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों की जांच कीगई, तत्पश्चात डॉक्टरों द्वारा परामर्श दिया गया। शिविर में कुल 150 शेड कर्मचारियों की जांच की गई, साथ ही 40 वर्ष से अधिकआयु के कर्मचारियों के लिए ईसीजी जांच की व्यवस्था भी की गई।

7. **राजभाषा तिमाही बैठक**

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में दिनांक 01.08.2024 को तृतीय राजभाषा तिमाही बैठक का आयोजन किया गया | उपरोक्त बैठक वरि.मं.यां.इंजी (डी) महोदय की अध्यक्षता में की गई, जिसमें शेड के सदस्य एवं मंडल राजभाषा शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे | राजभाषा बैठक के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न मदों पर चर्चा की गयी |

स्वतंत्रता दिवस समारोह –

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोकोमोटिव केयर सेंटर परिसर में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शेड अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं समस्त शेड कर्मचारी, आरपीएफ कर्मचारी एवं स्काउट सदस्यों ने भाग लिया। सीनियर डीएमई/डीएल/आरटीएम ने तिरंगा फहराया और फिर राष्ट्रगान गाया गया। इसके बाद महाप्रबंधक महोदय का लिखित संदेश सीनियर डीएमई/डीएल/आरटीएम द्वारा पढ़ा गया। महाप्रबंधक महोदय के संदेश में इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों को बधाई और वर्ष 2023-24 में पश्चिम रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण दिया गया और सभी क्षेत्रों में चालू वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी गईं। शेड कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, तत्पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, सीनियर डीएमई/डीएल ने वर्ष 2023-24 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल 35 शेड कर्मचारियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। अंत में सीनियर डीएमई (डीएल)रतलाम ने सभी अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और शेड अधिकारियो द्वारा सभी शेड कर्मचारियों को मिठाई वितरित की गई।

14. ट्रेन वर्किंग मॉडल –

इस वर्किंग मॉडल में **WAP5** लोकोमोटिव (प्रोटोटाइप) को **OHE (12V)** द्वारा चलाया और नियंत्रित किया जाता है, अनास स्टेशन, उसका केबिन, पंच पिपलिया स्टेशन, सुरंग, क्रॉसिंग गेट, पानी की टंकी बनाई जाती है। जैसे ही ट्रेन चलती है और अनास स्टेशन पर पहुंचती है, पीली सिग्नल हरी हो जाती है और क्रॉसिंग गेट बंद हो जाता है, गेट पर लाल बत्ती जल जाती है और बीप की आवाज शुरू हो जाती है, ट्रेन आगे बढ़ती है और पंच पिपलिया स्टेशन पर पहुंचती है, सुरंग का पीला सिग्नल हरा हो जाता है और गेट पार करने के बाद, क्रॉसिंग गेट खुल जाता है और बीप की आवाज बंद हो जाती है और गेट का लाल सिग्नल फिर से पीला हो जाता है।

स्टीम इंजन वर्किंग मॉडल –

इस मॉडल में बर्फीली घाटियों में चल रहे स्टीम इंजन को दिखाया गया है। जब आगे का सिग्नल हरा और नीचे होता है, तो इंजन आगे बढ़ता है और जब पीछे का सिग्नल शंटिंग के लिए मिलता है, तो इंजन पीछे की ओर बढ़ता है। यह वर्किंग मॉडल है और लोकोमोटिव का नाम "आजाद" (स्वतंत्रता के बाद रेलवे का पहला लोकोमोटिव) है। इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए प्रवीण पटेल एसएसई/मशीन शॉप और संतोष विश्वकर्मा एमसीएम को डीआरएम/आरटीएम द्वारा 5000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।|

15. स्वच्छता ही सेवा अभियान –

स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर एलसीसी आरटीएम स्टाफ द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया:- साइक्लोथॉन, मैराथन, खेल लीग, नुक्कड़ नाटक, वृक्षारोपण, अपशिष्ट पदार्थों से कला बनाना, पुनर्चक्रित उत्पादों की बिक्री के लिए प्रदर्शनी, स्वच्छ भारत मिशन के लिए डोर टू डोर अभियान, स्वच्छ भारत मिशन के लिए नारा प्रतियोगिता जिसमें **42** कर्मचारियों ने भाग लिया, भोजन व्यवस्था और उसकी गुणवत्ता और स्वच्छता के संबंध में स्वच्छ भोजन पहल, प्लास्टिक कचरे का निपटान किया गया।

****

यांत्रिक विभाग रतलाम

1. **वैगन डिपो,शंभूपुरा द्वारा वैगनों का एक महीने में अब तक सबसे अधिक आरओएच :**
जुलाई -2024 माह में वैगन डिपो, शंभूपुरा द्वारा 180 वैगनों का आरओएच किया गया जो कि एक माह में अब तक वैगनों का सबसे अधिक आरओएच है। इससे पहले एक माह में 177 वैगनों का आरओएच जून-2024 में किया गया था।

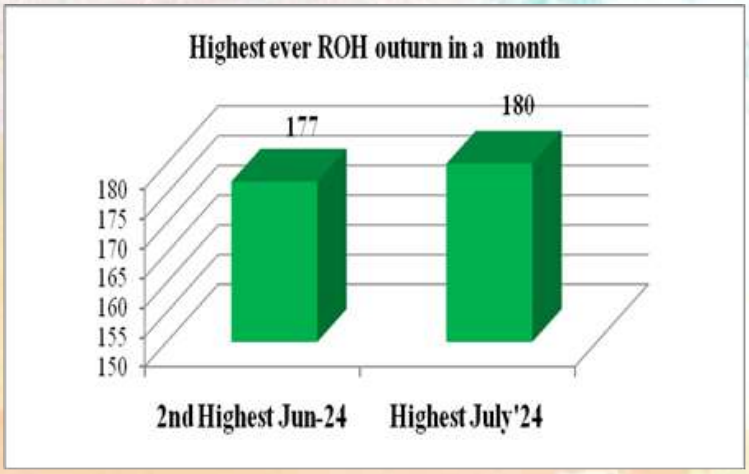

2. **रतलाम मंडल के लक्ष्मीबाई नगर (LMNR) में ब्रॉड गेज टर्नटेबल का नवीनीकरण 23.09.2023 किया गया :**
रतलाम मंडल के लक्ष्मीबाई नगर (LMNR) की ब्रॉड गेज टर्नटेबल को आवश्यक मरम्मत के बाद 23.09.2023 को कार्यरत किया गया। यह 56 साल पुरानी संपत्ति रोलिंग स्टॉक की दिशा परिवर्तन के उपयोग के लिए रेलवे की सेवा के लिए फिर से तैयार है, अन्यथा रोलिंग स्टॉक की दिशा परिवर्तन के लिए अतिरिक्त चालक दल, लोको, पथ, समय इत्यादि जैसी बाधाओं के साथ फतेहाबाद ट्रैक त्रिकोण में ले जाना पड़ता था।

उपकरण का विवरण :

स्थापित	:	Engineering workshop, Sabarmati/WR
निर्मित वर्ष	:	1968

3. **06 मीटर गेज कोचों का पीओएच (POH) शेड्यूल पातालपानी में कोच केयर कॉम्प्लेक्स, डॉ. अम्बेडकर नगर के कर्मचारियों द्वारा सफलतापूर्वक करके हेरिटेज ट्रेन सेवा को निर्धारित समय पर संचालन किया गया:**
06 मीटर गेज (एमजी) कोचों का पीओएच (पीओएच) शेड्यूल सीमित बुनियादी ढांचे और परिवहन साधनों के पहुचने की समस्याओं के बावजूद, पातालपानी के आइसोलेटेड सेक्शन में कोच केयर कॉम्प्लेक्स के कर्मचारियों द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे वाणिज्यिक विभाग की अधिसूचना के अनुसार, 20.07.2024 से पातालपानी और कालाकुंड के बीच हेरिटेज ट्रेन सेवा का निर्धारित समय पर संचालन सुनिश्चित किया गया

4. **मेसर्स इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा के 02 नए बीएलसी रेको का सीसी परीक्षण वैगन डिपो, डाउन यार्ड/रतलाम में किया गया :**
मेसर्स इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा के 02 नए बीएलसी रेको का सीसी परीक्षण वैगन डिपो, डाउन यार्ड/रतलाम में आरके-7(RK-7)और ट्विल-03(Twiil-03) के नाम से दिनांक 04.08.2024 एवं 26.08.2024 को किया गया ।

5. **रावटी में हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (एचएबीडी) प्रणाली के लिए सुरक्षा गार्ड बॉक्स इन-हाउस विकसित किया गया :**
रावटी (डाउन) में लगे हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर प्रणाली के इन्फ्रारेड थर्मामीटर को ट्रेसपासर और जानवरों द्वारा नुकसान पहुंचाने के कारण लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था । इसे सुलझाने के लिए श्री. अशोक (एसएसई/एम एंड पी/रतलाम) ने सीनियर डीएमई/ रतलाम के साथ परामर्श से एक सुरक्षात्मक गार्ड बॉक्स डिजाइन किया, जिसे श्री नरेश रेशवाल (वेल्डर) ने बनाया। सितंबर 2024 में इसे लगाने के बाद, सिस्टम की खराबी काफी कम हो गई, और अन्य स्थानों के लिए भी इसी तरह के सुरक्षा गार्ड बॉक्स लगाने की योजना बनाई गई है।

6. **रतलाम मंडल में उज्जैन एआरटी स्टाफ द्वारा पहली बार लोडेड स्थिति में बीटीएफएलएन प्रकार के वैगन का व्हील लोडेड स्थिति 27.08.2024 को बदला गया:**

पार्बती स्टेशन पर दिनांक 24.08.2024 को हॉट एक्सल के कारण वैगन नंबर 47091460443 BTFLN/SCR डीटैच किया गया। रतलाम मंडल में उज्जैन एआरटी स्टाफ द्वारा इस प्रकार के वैगन का व्हील पहली बार लोडेड स्थिति में सफलतापूर्वक बदला गया। वैगन के डिज़ाइन के कारण चुनौतियों के बावजूद, टीम ने सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए केवल 20 मिनट में वैगन का व्हील बदल दिया।

7. **अवंतिका एक्सप्रेस कोचों का अपग्रेडेशन :**

अवंतिका एक्सप्रेस के कोचों को निम्नलिखित सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है:

- सभी एसी कोचों में शौचालयों में स्क्रैपर मैट का प्रावधान किया गया
- अग्निशामक यंत्रों को पेंट किया गया और सुरक्षित किया गया
- फॉल पैलेट को साफ किया गया
- नए एसएस नल लगाए गए
- बर्थ चेन कवर बदले गए
- शौचालयों की बफ़िंग की गई
- शौचालय क्षेत्र के बीच रबर मैट लगाए गए
- सभी अनाआरक्षित कोचों में बर्थ पर नई बर्थ रेक्सिन लगाई गई
- टूटे हुए बोतल होल्डर को नए होल्डर से बदला गया।

8. **ईएनएचएम (EnHM) विंग द्वारा 17.09.2024 से 02.10.2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया गया :**

रतलाम मंडल के पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन (ईएनएचएम) विंग ने 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक "स्वच्छता ही सेवा" अभियान का आयोजन किया । इस अभियान के दौरान पूरे रतलाम मंडल में स्वच्छता के स्तर में स्पष्ट सुधार लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियां जैसे-स्वच्छता प्रतिज्ञा, स्वच्छता के बारें में जन जागरूकता कार्यशालाएं, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर ,खेल कार्यक्रम , स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक उत्सव, अपशिष्ट-से-कलाकृतियाँ बनाना खाद्य सुरक्षा पहल, कॉलोनी जागरूकता अभियान और स्टेशनों और पेंट्री कारों में बड़े पैमाने पर सफाई इत्यादि का आयोजन किया गया ।

****

राजभाषा की गतिविधियाँ

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक - दिनांक 19/07/2024 को मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित की गई जिसमें मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों ने भाग लिया तथा राजभाषा की तिमाही प्रगति पर चर्चा की गई एवं राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया।

मंडल पर कर्मचारियों की सहायतार्थ ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन –

मंडल कार्यालय रतलाम पर दिनांक 20.09.2024 हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 37 कर्मचारियों को राजभाषा निति नियमों की जानकारी दी गई|

राजभाषा पखवाड़ा-2024

रतलाम मंडल पर दिनाक 14.09.2024 से 30.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा उल्लासपूर्वक मनाया गया | इसके अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार की राजभाषा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई |

- दिनांक 17.09.2024 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन किया गया।
- दिनांक 17.09.2024 को अधिकारियों के लिए 'हिंदी निबंध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।
- दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'हिंदी शुद्ध लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 17 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'हिंदी स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 12 कर्मचारियों ने भाग लिया
- दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 12 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 19.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'निबंध लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 22 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 19.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'वाक प्रतियोगिता' का आयोजन का आयोजन किया गया जिसमें 08 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 20.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें 19 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 20.09.2024 को कर्मचारियों के लिए 'राजभाषा प्रश्नमंच' का आयोजन किया गया जिसमें 40 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत रतलाम रेल मंडल पर 30 सितम्बर 2024 को राजभाषा विभाग द्वारा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन ख़ूब सफल रहा। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार , अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद , पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल , अन्य पदाधिकारीगण,मंडल के अधिकारी और पुरस्कार विजेता कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। **सांस्कृतिक संध्या** एवं **'हास्य कवि सम्मेलन'** का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का संचालन रेल कलाकार श्री दिनेश भंवरिया के बांसुरी वादन के साथ किया। सरस्वती वंदना के नृत्य के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ एवं अन्य रेल कलाकारों के गीतों से कार्यक्रम को आगे बढाया गया इसके पश्चात् हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें श्री अब्दुल सलाम खोकर- हास्य गज़ल रतलाम के मंच संचालन में श्री धमचक मुल्थानी हास्य कवि द्वारा काव्य पाठ किया।

अंत में खोकर रतलामी ने हज़ल हास्य के साथ श्रंगार गीत,ग़ज़ल तथा वात्सल्य गीत से समापन तक रस बिखेरा। इस कार्यक्रम का सभी ने ख़ूब आनंद लिया,तालियों से कवियों की सराहना की। स्वागत भाषण अमुराधि /अमरेप्र श्री अशफाक अहमद ने दिया। विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।आभार प्रदर्शन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री सतीश वलवी द्वारा किया गया।

****

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत 14 से 30 सितम्बर 2024 तक आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

दिनांक 17.09.2024 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन

दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए हिंदी शुद्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए हिंदी स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 18.09.2024 को कर्मचारियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 19.09.2024 को कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 19.09.2024 को कर्मचारियों के लिए वाक प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 20.09.2024 को कर्मचारियों के लिए हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह के अंतर्गत

सांस्कृतिक संध्या, 'हास्य कवि सम्मेलन' एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

पश्चिम रेलवे
सांस्कृतिक संध्या एवं हास्य

पश्चिम रेलवे
राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह
सांस्कृतिक संध्या एवं हास्य कवि सम्मेलन

मेरा सफर कविता

प्रातः काल की सर्द हवा में
चहुँ और कोहरा ही कोहरा
धरा ने मानो! ओढ़ रखी है सफेद चादर
रवि किरण की लालिमा फैली हुई है।

इठलाती, बलखाती-सी दौड़ रही थी 'रेलगाड़ी'
दौड़ती भी क्यों न ! उसे गंतव्य तक पहुंचना जो था।
अपना रास्ता पार करती
टिमटिमाते उन सिगनलों को लक्षित करती
बिलड़ी आया, रावटी आई,
आया फिर मोरवनी
और ... चाय की चुस्की लेते - लेते
रतलाम आया, रतलाम आया।

प्रातः काल की सर्द हवा में
चहुँ और कोहरा ही कोहरा.....।।

सतीश वलवी
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी
रतलाम मंडल

पीली मिट्टी कविता

पीली मिट्टी में
गेहूं का सुकला
मिलाकर
मां जब
मिट्टी के घर को
त्यौहारों पर
लीपती थी

मिट्टी की सौंधी खुशबू
घर को महका देती थी
सब कुछ मिट्टी का ही था
चूल्हा-कडेली-दातरी-दोणी
अनाज भरने की
मिट्टी की कोठी

प्रभात में घट्टी पर
अनाज पीसती
लोक गीतों से मां
देवों को जगाती थी ।।

शिव चौहान
वरिष्ठ ट्रेन मैनजर
रतलाम मंडल

शान

कविता

कितने हैं जो जल्दी उठते,

स्नान कर प्रार्थना करते।

देरी से उठना शान समझते ,

बासी मुंह वो चाय पीते।

कितने हैं जो पालथी मार भोजन करते ,

हाथ पैरों को कभी न धोते।

सूट-बूट पहन मार्डन बनते ,

बफेट खाना अपनी शान समझते।

कितने हैं जो गौ पालते ,

मंदिर जाकर दर्शन करते।

लेकर कुत्ता घुमाने जाते,

मुंह से चटवाना शान समझते।

कितने हैं जो चप्पल पहनें ,

बिना नहायें, रसोई पहले,

महावारी को नहीं मानते ,

गाउन में अपनी शान समझते।

इंदु तिवारी
सेवानिवृत्त, संरक्षा सलाहकार (यातायात)
रतलाम

नदारद

कविता

पैकिंग वाले चावल, दालें,
डलिया, छलनी, सूप नदारद।

लोग हुए मतलब परस्त,
सब मदद करें, वह हाथ नदारद।

बाथरूम, शौचालय घर में,
कुआं, पोखरा, ताल नदारद।

घर घर जलें, गैस के चूल्हे,
चिमनी वाली फूंक नदारद।

मोबाइल सबके हाथों में,
विरह मिलन की हूक नदारद।

सेब, संतरा, चीकू बिकते,
गूलर, पापड़, बेर नदारद।

रेडीमेड बिक रहे कंबल,
पालों के घर, भेड़ नदारद।

दलवीर सिंह चौधरी
वरि.अनुवादक,राजभाषा
मंडल कार्यालय, रतलाम

मैं रेल का इंजन हूं

कविता

जो ना कभी थके,ना कभी रुके
मैं वो इंजन अथक हूं।

देश को नई दिशा की ओर ले जा रही भारतीय रेल
उस रेल का मैं सारथी हूं

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

जन-गण को आपस में जोड़ती,
ऐसी है भारतीय रेल, उस रेल का मैं इंजन हूं।"

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

अथम्य हूं , सजग हूँ
मैं निरन्तर चलायमान हूं

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

धन्य है भारतीय रेल
जो जन-जन की वाहनी हैं,
और उस वाहनी का मैं सारथी हूं।

मैं रेल का इंजन हूं,मैं रेल का इंजन हूं।

जन-जन का जो बोझ उठाये,
नगरी - नगरी सबको पहुंचायें
दोस्तो, यारों और रिस्तेदारों से हमें मिलवाये
और जो दिन-रात सफर करवाये

ऐसी हे हमारी भारतीय रेल
उस रेल का सारथी हूं ,

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

रेल सफर की दोस्ती हमें याद रह जायें
मिल-जुल कर हमें रहना सिखायें

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

कश्मीर से कन्याकुमारी की यात्रा को आसान बनायें
ऐसी है हमारी भारतीय रेल और उस रेल का मैं इंजन हूं ,

मैं रेल का इंजन हूं, मैं रेल का इंजन हूं।

जात-पात का भेद मिटाये,
मिल-जुल कर हमें जीना सिखाये
ऐसी है हमारी भारतीय रेल,उस रेल का मैं इंजन हूं।

मैं रेल का इंजन हूं,मैं रेल का इंजन हूं।

मनीष कुमार जारवाल
टीसीएन -II, उज्जैन

ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग

राजभाषा विभाग रतलाम द्वारा ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग और ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग का संग्रह तैयार किया गया है जो श्रंखला के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है |

ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग **गतांक से आगे .....**

ट,ठ,ड,ढ,ण,त, थ, द,ध,न

- तुरंत अनुस्मारक भेजें।
- देख लिया, धन्यवाद।
- न्यूनतम दरें स्वीकार की जाए।

ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग

ट,ठ,ड,ढ,ण त, थ, द,ध,न

- तदनुसार कार्रवाई करें।
- तदनुसार सूचित करें/तदनुसार सूचित किया जाए।
- तदनुसार उत्तर का मसौदा पेश किया जाए।
- देरी का कारण स्पष्ट करें।
- …दिन सप्ताह के लिए सुपुर्दगी की अवधि बढ़ा दी जाए।
- देख लिया,फाइल किया जाए।
- देख लिया,जारी कर दिया जाए।
- देरी क्यों हो रही है ?
- देख लिया और बात कर ली।
- नहीं।
- निरीक्षण रिपोर्ट मांगें।
- नोट कर लिया जाए।

दौलतराम ताबियार
वरि अनुवादक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय रतलाम

शेष अगले अंक में ....

मेरे अनुभव

- ESP देखते या प्लान करते समय एंड यूजर बनकर सोचना चाहिए।
- यार्ड की मोबेलिटी को ध्यान में रख कर प्लान किया जाना चाहिए।
- यदि किसी स्टेशन पर गुड्स शेड का प्लान है, तो ट्रैफिक की दिशा एवं माल की दशा के अनुसार प्लान किया जाना चाहिए।
- CRT हैंडलिंग के लिए टॉप वायरिंग की आवश्यकता होती है। इसके लिए शंटिंग नैक या इंजन रिवर्सल की सुविधा होनी चाहिए। जिससे की प्लेसमेंट एवं रिमूवल के दौरान कम समय लगे।
- कवर वैगन के लिए प्लेटफ़ॉर्म शेड की आवश्यकता होती है। इसके लिए शीधे रिसेप्शन एवं डिस्पैच की सुबिधा होनी चाहिए। जिससे की प्लेसमेंट एवं रिमूवल के लिए लगने वाले अतिरिक्त समय से बचा जा सके।
- **उदहारण - धोसवास यार्ड:** यह यार्ड प्रॉपर प्लेटफ़ॉर्म कवर शेड वाला यार्ड था किन्तु टॉप वायरिंग था। सीधे रिसेप्शन की सुविधा नहीं थी, जिसके कारण यार्ड में शंटिंग करना पड़ता था साथ ही प्लेसमेंट या रिमूवल में 45 मिनिट समय भी लगता था। एक पॉइंट डालकर एवं वायरिंग की सुविधा देकर सीधा प्लेसमेंट व् रिमूवल किया जा रहा है।
- धीरे - धीरे पुराने यार्ड की फिलासफी जिसमे कि किसी रनिंग लाइन से पॉइंट देकर सिक साइडिंग बनाई जाती है को समाप्त किया जाकर कॉमन लूप के डेड एंड को ट्रैप के माध्यम से आइसोलेट कर आगे बनाया जा सकता है।
- **उदहारण - असलावदा यार्ड:** यार्ड की लाइन नंबर 4 से जुडी सिक साइडिंग को हटा कर लाइन नंबर 4 को 691 से 758 मीटर किया जा सका।

- OHE विभाग की LOP (ले आउट प्लान) को चेक करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि गाड़ी को रोकने के लिए पर्याप्त दुरी प्रदान की गयी है। किसी एक लाइन में पॉवर ब्लाक के दौरान दूसरी लाइन से AC ट्रेन का मूवमेंट चलते रहना चाहिए। न्यूट्रल सेक्शन किसी स्टॉप सिगनल के पास तो नहीं दिया गया है।
- साइडिंग इत्यादि की यार्ड से कनेक्टिविटी कम से कम दो लाइनों से होना चाहिए, जिससे कि एक लाइन के बंद रहने पर
- दूसरी लाइन से ट्रेनों का आवागमन कियस जा सके।
- ब्रांच लाइन की कनेक्टिविटी मेन लाइन के आलावा अन्य प्लेटफार्म लाइन से सीधी होनी चाहिए, जिससे की उक्त स्टेशन पर मेन लाइन की ट्रेनों का विलम्ब न हो।
- **उदहारण - दाहोद यार्ड:** यार्ड की लाइन नंबर 1 एवं 2 को कटवारा लाइन से सीधा जोड़ा गया साथ ही यार्ड की मेन लाइन से भी जोड़ा गया।
- गुड्स शेड वाले स्टेशन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, कि दोनों दिशाओ से गाड़िया गुड्स लाइन पर आ सकें।
- **उदहारण - मांगलिया गाँव यार्ड:** यार्ड की गुड्स लाइन नंबर 1 की कनेक्टिविटी LMNR डायरेक्शन से नहीं थी, जिसके लिए गाड़ी को पहले यार्ड में लिया जाता फिर पुश बेक करके शंटिंग नैक में लिया जाता फिर गुड्स यार्ड की लाइन 1 में प्लेस किया जाता। रास्ते में पड़ने वाले एक पॉइंट की दिशा को उल्टा करके उक्त सुविधा को प्राप्त किया गया एवं विलम्ब सहित शंटिंग को समाप्त किया गया।
- **उदहारण - मेघनगर यार्ड:** यार्ड की ओल्ड गुड्स लाइन की कनेक्टिविटी लाइन नंबर 4 से थी, जिसके लिए गाड़ी को पहले यार्ड की लाइन नंबर 4 में लिया जाता था, फिर ब्लाक बैक करके शंटिंग के बाद दो टुकड़े करके लाइन नंबर 6 में लिया जाता था। उक्त शंटिंग के दौरान क्रू ओवर होउर्स हो जाता एवं फ्रेश क्रू को बुलाया जाता था। लाइन नंबर 5 एवं 6 की लम्बाई को बढाकर एवं सीधी कनेक्टिविटी देकर विलम्ब सहित शंटिंग को समाप्त कराया गया। इसी प्रकार मक्सी एवं शुजालपुर यार्ड की ESP बदली जा रही है।
- बड़े यार्ड की ESP में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए की पर्याप्त आइसोलेशन (डेड एंड या ओवर रन) दिया गया है, जिससे की रिसेप्शन एव डिस्पैच एक साथ किया जा सके।
- ऐसे स्टेशन जहाँ पर इंजन रिवर्सल किया जाता है, शंटिंग के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि कम से कम समय में व् बिना मेन लाइन को डिस्टर्ब किये शंटिंग की जा सके।
- **उदहारण - चित्तौरगढ़ यार्ड:** नए शंट सिग्नल का प्रावधान किया गया, अब इंजन रिवेर्सल में लगने वाला समय कम हो जायेगा।
- **उदहारण - दाहोद/डा. अम्बेडकरनगर यार्ड:** लाइन नंबर 7/5 में धक्के की तरफ ट्रैप के साथ 60 मीटर इंजन रिवर्सल लाइन बनाया गया है, जिससे कि इंजन रिवर्सल के दौरान मेन लाइन या यार्ड से अन्य गाड़िया चलती रहे|

वेदप्रकाश दुबे
मंडल संचलन निरीक्षक, प्लानिंग (यातायात)
मंडल कार्यालय रतलाम

****

दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन

गतांक से आगे .....

प्रश्न(71) दुर्घटना में चोट ग्रस्त रेल कर्मचारी दुर्घटना के समय से 48 घंटे तक यदि ड्यूटी पर नहीं आता है, तो उसे लगी चोट किस प्रकार की चोट मानी जाएगी ?

उत्तर:- साधारण चोट।

प्रश्न(72) ओ एच ई में बिजली की आपूर्ति(tension in OHE) कितनी अवधि तक नहीं होने पर,उपकरण में विफलतामाना जाएगा ?

उत्तर:- 3 मिनट से अधिक|

प्रश्न(73) क्षतिग्रस्त वैगन को बिना ब्रेक वान वाली मालगाड़ी में कहां अटैच किया जाएगा ?

उत्तर:- बिना ब्रेक वान वाली मालगाड़ी में अटैच नहीं किया जाएगा।

प्रश्न(74) क्षतिग्रस्त वाहन मालगाड़ी में कहां लगाया जाएगा?

उत्तर:- अंतिम वाहन के रूप में (as last vehicle)

प्रश्न(75) स्टेशन सीमा के बाहर गाड़ी रुकने के बाद अवरोध व गाड़ी के बीच अंतराल 400 मीटर या अधिक रहता हो तोउसको किस प्रकार के दुर्घटना माना जाएगा?

उत्तर :- ब्रीच आफ ब्लॉक रूल माना जाएगा।

प्रश्न(76) क्या Run over by train, Death of careless, Falling down from roof in passenger train को गंभीर दुर्घटना में शामिल किया जाएगा ?

उत्तर:- उपरोक्त को गंभीर दुर्घटना में शामिल नहीं किया जाएगा।

प्रश्न(77) इंस्पेक्शन कैरेज अपने गंतव्य स्टेशन पर गाड़ी से अलग करने के दौरान अवपथित हो जाता है तो उस दुर्घटना को किस श्रेणी में रखा जाएगा ?

उत्तर:- यार्ड दुर्घटना में रखा जाएगा।

प्रश्न(78) जिन स्टेशनों पर मेडिकल वान स्टेबल होती है उसकी जानकारी कहां से प्राप्त होती है ?

उत्तर :- एक्सीडेंट मैन्युअल एवं संचालन समय सारणी में लिखी होती है।

प्रश्न(79) किसी दुर्घटना में यदि यात्री मृत हो जाते हैं तो क्या उसे गंभीर दुर्घटना माना जाएगा ?

उत्तर :- हां।

प्रश्न(80) दुर्घटनाग्रस्त ब्लॉक सेक्शन में अधिकतम कितनी सहायता गाड़ी भेजी जा सकती हैं?

उत्तर :- 02 सहायता गाड़ी भेजी जा सकती है।

दुर्गा प्रसाद वर्मा
सेवानिवृत्त -संरक्षा सलाहकार (यातायात)
रतलाम

शेष अगले अंक में .....

'राजभाषा' हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्य

लेख

हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ देश की पहचान और सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा भी है। यह मात्र एक भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के बीच संवाद, अभिव्यक्ति और एकता का माध्यम है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी ने भारतीयों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई थी, और स्वतंत्रता के बाद इसे संविधान सभा ने देश की राजभाषा का दर्जा दिया। हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्यों को समझना और उन्हें निभाना आज के समय में और भी आवश्यक हो गया है, जब वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने कई भाषाओं को संकट में डाल दिया है।

हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्यों का उद्देश्य न केवल इसे जीवित रखना है, बल्कि इसे समाज के हर वर्ग में, शिक्षण संस्थानों से लेकर सरकारी दफ्तरों तक, समान रूप से प्रचलित और लोकप्रिय बनाना है। हिंदी को उसका सही स्थान और सम्मान दिलाने के लिए हमारे कुछ प्रमुख कर्तव्य निम्नलिखित हैं:

1. हिंदी का संरक्षण और संवर्धन करना

हिंदी का संरक्षण हमारा पहला और प्रमुख कर्तव्य है। तेजी से बदलते वैश्विक वातावरण में हिंदी पर अंग्रेज़ी और अन्य विदेशी भाषाओं का प्रभाव पड़ रहा है, जिसके कारण कई युवा और बच्चे हिंदी को पर्याप्त महत्व नहीं देते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम हिंदी का संरक्षण करें, इसे बोलने, लिखने और पढ़ने के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाएं। इसके लिए हम अपने घरों, परिवारों और समाज में बच्चों को हिंदी में संवाद करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, ताकि वे बचपन से ही हिंदी की महत्ता को समझ सकें और इसे आत्मसात कर सकें।

2. शिक्षा और कार्यस्थलों पर हिंदी का प्रचलन बढ़ाना

हिंदी को शिक्षा और कार्यस्थलों पर स्थापित करना भी हमारा महत्वपूर्ण कर्तव्य है। हमारे देश के अनेक शैक्षिक संस्थान और कार्यालय अभी भी अंग्रेज़ी को ही प्राथमिकता देते हैं, जिसके कारण हिंदी भाषा में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हमारा कर्तव्य है कि हम हिंदी माध्यम में अध्ययन को बढ़ावा दें और शैक्षिक संस्थानों में हिंदी के उपयोग को बढ़ाएं। साथ ही, सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों में भी हिंदी में कामकाज करने के लिए जागरूकता फैलाएं और संसाधन उपलब्ध कराएं, ताकि हिंदी भाषी लोगों को अपनी भाषा में काम करने का अवसर मिले।

3. तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग

तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में हिंदी का विस्तार आज के समय की आवश्यकता है। अधिकतर वैज्ञानिक शोध और तकनीकी जानकारी अंग्रेज़ी में उपलब्ध है, जिससे हिंदी भाषी लोग वंचित रह जाते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम इन क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें। इसके लिए हमें विज्ञान, गणित, तकनीक आदि विषयों की हिंदी में पुस्तकें और संसाधन तैयार करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। इसके साथ ही, इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों में हिंदी को अधिकाधिक उपलब्ध कराना भी हमारा कर्तव्य है, ताकि हिंदी भाषी जनसंख्या को आधुनिक विज्ञान और तकनीक का ज्ञान उनकी अपनी भाषा में मिल सके।

4. साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण

हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण हमारा एक और प्रमुख कर्तव्य है। हिंदी साहित्य के माध्यम से हमने अनेक महान साहित्यकारों, कवियों और लेखकों को जन्म दिया है, जिन्होंने समाज और देश के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद जैसे साहित्यकारों की रचनाएँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। हमें इन्हें संरक्षित करने के

साथ-साथ इनके महत्व को नई पीढ़ी तक पहुँचाना चाहिए। इसके लिए हमें पुस्तकालयों, विद्यालयों और संस्थानों में हिंदी साहित्य की पुस्तकों को प्रोत्साहित करना चाहिए और हिंदी साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए।

5. सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों में हिंदी का प्रयोग

आज के समय में सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यम अत्यंत प्रभावशाली हो गए हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम इन मंचों पर हिंदी का प्रयोग बढ़ाएँ। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर हिंदी में संवाद करना और हिंदी में सामग्री साझा करना चाहिए। इससे न केवल हिंदी का प्रचलन बढ़ेगा, बल्कि हिंदी भाषी लोग अपनी भाषा में संवाद कर सकेंगे। हिंदी ब्लॉगिंग, वेबसाइट्स, यूट्यूब चैनल्स आदि के माध्यम से हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने का प्रयास करना भी हमारा कर्तव्य है।

6. सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों में हिंदी का प्रचार-प्रसार

सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदी को बढ़ावा देना और इसका प्रचार-प्रसार करना भी हमारा कर्तव्य है। भारत सरकार ने हिंदी के संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई हैं, जैसे कि 'राजभाषा नीति'। हमारा कर्तव्य है कि हम इन नीतियों का समर्थन करें और उन्हें समाज में लागू करवाने के लिए प्रयास करें। सरकारी कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना और उनके माध्यम से जनमानस में हिंदी के प्रति जागरूकता फैलाना हमारी जिम्मेदारी है।

7. विदेशों में हिंदी का प्रचार और संवर्धन

विदेशों में भी हिंदी का प्रचार करना हमारे कर्तव्यों में शामिल है। आज कई देशों में भारतीय समुदाय रहता है और वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना चाहते हैं। भारतीय समुदाय को हिंदी के प्रति जागरूक करना, उनके बीच हिंदी के महत्व को समझाना और हिंदी भाषा के कार्यक्रमों का आयोजन करना आवश्यक है। साथ ही, भारतीय दूतावास और संस्कृति संस्थान विदेशों में हिंदी का प्रचार कर सकते हैं। हिंदी शिक्षकों, साहित्यकारों और सांस्कृतिक संगठनों को विदेशों में भेजकर हिंदी का प्रचार करना हमारे कर्तव्यों में आता है।

8. हिंदी के प्रति सम्मान और गर्व की भावना का विकास करना

हमारा सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य यह है कि हम हिंदी के प्रति सम्मान और गर्व की भावना का विकास करें। यदि हम हिंदी को गर्व के साथ अपनाएंगे, तभी समाज में हिंदी का महत्व और बढ़ेगा। हिंदी को बोलने, पढ़ने और लिखने में किसी प्रकार की हीन भावना का अनुभव न करें। हमें गर्व से हिंदी का प्रयोग करना चाहिए और अपने बच्चों को भी इसके प्रति प्रेम और गर्व का अनुभव कराना चाहिए। ऐसा करने से ही हिंदी को उसका सही स्थान मिलेगा और यह समाज में एक मजबूत स्थान बना पाएगी। हमे यह भी याद रखना होगा कि दुनिया विकसित देशों जैसे- चीन जापान जर्मनी अमेरिका इस्राइल आदि ने अपनी स्वयं की भाषा के बल पर ही उनके देश को उन्नति के शिखर पर पहुंचाया है।

9. अनुवाद और हिंदी की अन्य भाषाओं के साथ संगतता

हमारे कर्तव्यों में हिंदी का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संगतता का विकास करना भी शामिल है। अनुवाद के माध्यम से हम हिंदी को अन्य भाषाओं से जोड़ सकते हैं और अन्य भाषाओं को हिंदी से जोड़ सकते हैं। इससे भाषाओं के बीच आदान-प्रदान होगा और हिंदी का प्रचार बढ़ेगा। अनुवाद कार्य से हिंदी में विविध भाषाओं की जानकारी आएगी और हिंदी भाषी भी अन्य भाषाओं के साहित्य का आनंद ले सकेंगे।

10. हिंदी भाषा के मानकीकरण पर ध्यान देना

हिंदी भाषा का मानकीकरण भी हमारे कर्तव्यों में आता है। हिंदी की विभिन्न बोलियों और उपभाषाओं के चलते एक मानकीकृत रूप की आवश्यकता है। यह मानकीकरण भाषा को समझने और सीखने में सहायक होता है। इसके लिए हमें हिंदी के शब्दों, व्याकरण और वर्तनी पर ध्यान देना चाहिए ताकि यह भाषा और भी सुगम और सरल बने। शिक्षा संस्थानों में मानकीकृत हिंदी को प्रोत्साहित करना और इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तैयार करना हमारा कर्तव्य है।

निष्कर्ष

राजभाषा हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्य अनेक हैं, जिनमें हिंदी का संरक्षण, संवर्धन, प्रचलन और प्रतिष्ठा बढ़ाना प्रमुख हैं। हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हिंदी केवल राजभाषा बनकर सीमित न रह जाए, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय के जीवन का अभिन्न हिस्सा बने। हमें अपनी राजभाषा और मातृभाषा हिंदी पर गर्व होना चाहिए और इसके प्रति हमारी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए।

यदि हम हिंदी को उसका उचित स्थान दिलाने और उसे सम्मान दिलाने में सफल होते हैं, तो यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध और सशक्त धरोहर साबित होगी। इस प्रकार, हिंदी के प्रति हमारे कर्तव्यों का निर्वहन हमारे लिए एक अनमोल देन है जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति और पहचान से जोड़ता रहेगा।

राजेंद्र सेन
वरि. अनुवादक, राजभाषा
मंडल कार्यालय, रतलाम

सफ़र मेरा कविता

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

बिखर कर बनने की तरकीब,
हुजूर ने मेरे मुझे सिखलाई है॥

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

माथे पर शिकन और बालो में,
'हलकी सी' सफेदी छाई है।
ऐसे ही नहीं हमने अंधेरो में भी अपनी मंजिल पाई है॥

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

दिल खोल कर हसने की अदा भी, मुसाफिरो ने सिखाई है।
ऐसे ही नहीं इतराते यारी पर अपनी,
की मैंने नासमझों की टोली बनायीं है॥

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

अब रास्तो से भी हमने तोबा फ़रमाई है।
उड़ कर है पहुंचना, की मंजिले साफ़ नज़र आई है॥

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

मत पूछ ऐ यार मेरे मैने,
'इसकी' क्या - क्या किमत चुकाई है।
ऐसे ही नहीं जेबो में खनक,
और आँखों में चमक पाई है॥

कई बार गिरे है,
कई बार चोट आई है।

कपिल जायसवाल
गाड़ी प्रबंधक, रतलाम

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

जीवन परिचय- नवीन जी छायावाद के समानान्तर बहने वाली वीर-शृंगार धारा के अग्रणी कवि थे। इनकी प्रारंभिक शिक्षा शाजापुर और उज्जैन मे हुई। गद्य लेखक के रूप में प्रताप जैसे पत्र के माध्यम से इन्होंने ओज-गुण प्रधान एक नई शैली में लेखन किया। इन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इनका निधन 29 अप्रैल 1960 को हुआ।

जन्म 08 दिसंबर 1897

विप्लव गान

कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए, एक हिलोर उधर से आए।
प्राणों के लाले पड़ जाएँ, त्राहि-त्राहि रव नभ में छाए,
नाश और सत्यानाशों का धुँआधार जग में छा जाए,

बरसे आग, जलद जल जाएँ, भस्मसात भूधर हो जाएँ,
पाप-पुण्य सद्सद भावों की, धूल उड़ उठे दायें-बायें,
नभ का वक्षस्थल फट जाए - तारे टूक-टूक हो जाएँ,
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए।

माता की छाती का अमृत, मय पय काल-कूट हो जाए,
आँखों का पानी सूखे, वे शोणित की घूँटें हो जाएँ,
एक ओर कायरता काँपे, गतानुगति विगलित हो जाए,
अंधे मूढ़ विचारों की वह अचल शिला विचलित हो जाए,

और दूसरी ओर कंपा देने वाला गर्जन उठ धाए,
अंतरिक्ष में एक उसी नाशक तर्जन की ध्वनि मंडराए,
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए, एक हिलोर उधर से आए।

राजभाषा विभाग रतलाम मंडल

हम सब भारत वासियों का यह अनिवार्य कर्त्तव्य है कि हम हिंदी को अपनी भाषा के रूप में अपनाएं।

–डॉ. बी.आर.आंबेडकर

जिसको न निज भाषा तथा निज राष्ट्र का अभिमान है वह नर नहीं पशु निरा और मृतक समान है।

–मैथिलीशरण गुप्त

राष्ट्र की एकता को यदि बनाकर रखा जा सकता है तो उसका माध्यम हिंदी ही हो सकती है

–सुब्रह्मण्य भारती

हिंदी हमारे देश की धड़कन है, जिसे देश के हित में गतिशील बनाए रखना हम सबकी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है

– रामधारी सिंह दिनकर

हिंदी भाषा भारतीयों की उच्चतम अनुभूति की अभिव्यक्ति है

हजारी प्रसाद द्विवेदी